

स्लोवाकिया में भारत की राजदूत ने प्लैनेट आयुर्वेद पंचकर्म सेंटर का शुभारंभ किया



एकता ज्योति संवाददाता

गाजियाबाद। प्लैनेट आयुर्वेद के गाजियाबाद के डिस्ट्रीब्यूटर मिस्टर मनोज कुमार सिंघल ने बड़े हर्षोल्लास से बताया कि यूरोप में आयुर्वेद के प्रसार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए प्लैनेट आयुर्वेद ने स्लोवाकिया में अपना नया पंचकर्म सेंटर शुरू किया। इस केंद्र का उद्घाटन भारत की राजदूत अपूर्वा श्रीवास्तव ने किया। राजदूत अपूर्वा श्रीवास्तव ने कहा कि आयुर्वेद आज विश्व स्तर पर एक स्थायी, प्राकृतिक और समग्र स्वास्थ्य प्रणाली के रूप में उभर रहा है। उन्होंने प्लैनेट आयुर्वेद के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल न केवल भारतीय परंपरागत चिकित्सा प्रणाली को



वैश्विक पहचान दे रही है, बल्कि भारत और स्लोवाकिया के बीच सांस्कृतिक संबंधों को भी सशक्त बना रही है। प्लैनेट आयुर्वेद भारत के सहयोग से स्थापित यह केंद्र प्रामाणिक पंचकर्म थेरेपी, आयुर्वेदिक परामर्श और पारंपरिक सिद्धांतों पर आधारित जीवनशैली कार्यक्रम प्रदान करेगा।

पिछले दो दशकों से आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार में सक्रिय प्लैनेट आयुर्वेद के संस्थापक डॉ विक्रम चौहान ने बताया कि यह केंद्र विशेषज्ञों की देखरेख में शुद्ध और पारंपरिक आयुर्वेदिक उपचार उपलब्ध कराएगा। उन्होंने स्लोवाकिया आयुर्वेदिक स्कूल स्थापना की घोषणा भी की, जो यूरोप के आयुर्वेदिक संस्थानों,

विद्वानों और चिकित्सकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देगा। पीस (प्रोफेशनल यूरोपियन आयुर्वेद सेंटर फॉर एक्सीलेंस) के संस्थापक मेरो मद्दुदा ने इस अवसर को लंबे समय से संजोए गए सपने की पूर्ति बताया। उन्होंने कहा कि पंचकर्मा शरीर और मन के संतुलन का सर्वोत्तम माध्यम है, और प्लैनेट आयुर्वेद इस दिशा में अद्भुत कार्य कर रहा है। कार्यक्रम में मिरोस्लाव स्पासेक व इस परियोजना के प्रमुख सहयोगी मार्टिन, जो स्लोवाकिया के प्रसिद्ध उद्योगपति हैं को भी सम्मानित किया गया। उद्घाटन समारोह का शुभारंभ पारंपरिक हवन द्वारा किया गया, जिसे Prof. Anurag Pandey (MD, Ayurveda – Banaras Hindu University,

Varanasi) और Dr. Bhairav Kulkarni (MD, PhD – Dr. Vedprakash Patil Ayurvedic Medical College, Jalna) ने संपन्न कराया। गाजियाबाद के डिस्ट्रीब्यूटर मिस्टर मनोज कुमार सिंघल ने बताया कि प्लैनेट आयुर्वेद विश्व स्तर पर आयुर्वेदिक स्वास्थ्य सेवा का अग्रणी संस्थान है, जो शुद्धता, प्रामाणिकता और आयुर्वेदिक शिक्षा के लिए समर्पित है। इसकी स्थापना Dr. Vikram Chauhan, MD (Ayurveda) ने की थी। संस्थान विश्वभर में क्लीनिक, उत्पादन इकाइयाँ और वेलनेस सेंटर संचालित करता है तथा आयुर्वेद की पारंपरिक ज्ञानधारा को हर घर तक पहुँचाने के मिशन पर कार्यरत है।



एकता ज्योति संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद से पूर्व राज्य सभा सांसद एवं एचआर आईटी यूनिवर्सिटी गाजियाबाद के कुलाधिपति डॉ अनिल अग्रवाल ने केंद्र सरकार में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से दिल्ली

स्थित वाणिज्य भवन में शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान पूर्व राज्य सभा सांसद अनिल अग्रवाल ने मंत्री के साथ भारत और दूसरे देशों के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते से देश के व्यापार एवं व्यापारियों के लिए उत्पन्न होने वाले अवसरों पर चर्चा की एवं गाजियाबाद के

एमएसएमई, लघु उद्योगों को उससे होने वाले लाभ के बारे में बताया एवं केंद्रीय मंत्री का धन्यवाद किया। भेंट के दौरान प्रॉक्टर कंपनी के स्वामी चर्चित अग्रवाल, मनोज तिवरेवाल एवं खाद्य निगम सदस्य राहुल गोयल उपस्थित रहे।

एस.डी.जी.आई. ग्लोबल यूनिवर्सिटी में लाइफ साइंसेज करियर्स ऐज जेनेटिक सिजर्स विषय पर अतिथि व्याख्यान



एकता ज्योति संवाददाता

गाजियाबाद। एस. डी.जी.आई. ग्लोबल यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ साइंसेज द्वारा Life Sciences Careers as Genetic Scissors: For Growing Smarter Tomorrow विषय पर विशेष अतिथि व्याख्यान का आयोजन विश्वविद्यालय के सेमिनार हॉल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दोपहर 2:00 बजे उद्घाटन संबोधन से हुआ, जिसके बाद दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत की गई। तत्पश्चात अतिथियों का फ्लोरल वेलकम किया गया। डॉ. ज्योति चौधरी, निदेशक (कार्यवाहक), स्कूल ऑफ साइंसेज ने स्वागत भाषण दिया

और कार्यक्रम के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। इसके बाद डॉ. राजीव रतन, रजिस्ट्रार, एस.डी.जी.आई. ग्लोबल यूनिवर्सिटी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों और व्यावहारिक शिक्षा के महत्व पर चर्चा की। इसके उपरान्त कुलपति प्रो. (डा.) प्रसेनजीत कुमार ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को प्रेरित किया और कहा कि ऐसे व्याख्यान न केवल ज्ञानवर्धक होते हैं बल्कि छात्रों को भविष्य की वैज्ञानिक चुनौतियों के लिए तैयार भी करते हैं। मुख्य वक्ता के रूप में डा. अमित कुमार चतुर्वेदी, निदेशक (अनुसंधान एवं प्रशिक्षण), इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस साइंसेज एंड रिसर्च (IESR), ग्रेटर नोएडा

ने जेनेटिक सिजर्स तकनीक और इसके आधुनिक जैव-विज्ञान में उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी। उनके बाद डा. श्वेता अरोड़ा, सीनियर मैनेजर, IESR, ग्रेटर नोएडा ने जीवन विज्ञान के उभरते करियर अवसरों पर उपयोगी जानकारी साझा की। कुलाधिपति महेन्द्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष अखिल अग्रवाल, प्रो-वाइस चांसलर नितिन अग्रवाल, माननीय प्रो-चांसलर (प्रशासन) पीयूष श्रीवास्तव तथा प्रो-चांसलर (अकादमिक) विमल कुमार शर्मा ने इस सफल आयोजन के लिए स्कूल ऑफ साइंसेज को हार्दिक बधाई दी और भविष्य में ऐसे उपयोगी शैक्षणिक आयोजनों को निरंतर आगे बढ़ाने की शुभकामनाएँ दीं।

आई.टी.एस मोहन नगर के छात्र आईआईएम सिरमौर में इंडस्ट्री रेडीनेस प्रोग्राम पूरा कर वापस लौटे



एकता ज्योति संवाददाता

साहिबाबाद। आई.टी.एस मोहन नगर के पीजीडीएम और एमबीए के 29 छात्रों के एक समूह ने 6 अक्टूबर से 9 अक्टूबर 2025 तक ऑनलाइन और 13 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2025 तक ऑन-कैंपस आयोजित एक सप्ताह लंबे इंडस्ट्री रेडीनेस प्रोग्राम में भाग लिया, जिसका शीर्षक था फ्यूचर-रेडी: ए ट्रांसफॉर्मेटिव रेडीनेस प्रोग्राम। यह कार्यक्रम आईआईएम सिरमौर द्वारा आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य भावी प्रबंधन पेशेवरों में प्रबंधकीय दक्षताओं, रणनीतिक सोच और करियर की तैयारी को बेहतर बनाना था। इस पहल का मकसद छात्रों को आईआईएम के कठोर शिक्षण परिवेश में उन्नत प्रबंधन अवधारणाओं से अवगत कराना



था, जिसमें उन्हें प्रख्यात संकाय सदस्यों का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। ऑन-कैंपस सत्रों के दौरान छात्रों ने कई इंटरैक्टिव मॉड्यूल्स में भाग लिया। डॉ. आशीष द्वारा लिया गया रणनीति निर्माण के लिए पर्यावरण विश्लेषण सत्र रणनीतिक प्रबंधन के उपकरणों जैसे पेस्टेल, पोटर के फाइव फोर्सेस और ब्रिओ फ्रेमवर्क की समझ को गहरा करता है जिसकी पूर्ण जानकारी मैनेजमेंट के छात्रों के लिए आज के समय में अति आवश्यक है।

सभी छात्रों ने काफी दिलचस्पी के साथ सत्र में शामिल होकर ज्ञान वर्धन किया। डॉ. सुमना और डॉ. सोनाक्षी द्वारा संचालित बिजनेस में क्रिएटिविटी सत्र ने समूह गतिविधियों के माध्यम से नवाचार की सोच को प्रोत्साहित किया। डॉ. सुमना द्वारा लिया गया प्रेरणा और प्रभाव पर सत्र नेतृत्व और संचार शैलियों में गहन अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, जबकि डॉ. मनीष द्वारा संचालित सप्लाय चेन स्ट्रेटजी सत्र में तीन

ऑपरेशंस, सिक्स सिग्मा और प्रक्रिया दक्षता तकनीकों पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस कार्यक्रम ने वैचारिक स्पष्टता, व्यावहारिक अनुभव और सहयोगात्मक सीखने का समग्र मिश्रण प्रदान किया गया, जिससे छात्रों के आत्मविश्वास, रचनात्मकता और उद्योग-तैयारी में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई। कुल मिलाकर, आईआईएम सिरमौर में यह गहन अनुभव अकादमिक अध्ययन और

वास्तविक प्रबंधन प्रथाओं के बीच की खाई को पाटने की दिशा में एक मूल्यवान कदम साबित हुआ, जिससे छात्रों को सक्षम और भविष्य के लिए तैयार पेशेवर बनाने में मदद प्राप्त हुई। चर्चा काफी सार्थक रही, छात्र एक नए उन्नत माहौल में जाकर काफी उत्साहित महसूस कर रहे थे और नए वातावरण में नई चीजें सीख कर प्रसन्न थे। इस अवसर पर आई टी एस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आर पी चड्ढा ने छात्रों को अपनी शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आई टी एस - द एजुकेशन ग्रुप के वाइस चेयरमैन श्री अर्पित चड्ढा ने इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजन पर प्रसन्नता जाहिर की साथ ही भविष्य और ऐसे महत्वपूर्ण कार्य क्रम के आयोजन हेतु सभी को प्रोत्साहित किया।

गाजियाबाद का नाम गजप्रस्थ करने की मांग को लेकर जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन



गाजियाबाद (एकता ज्योति संवाददाता)। अत्याचारियों को सम्मानित करती मानसिकता भारत छोड़ो अभियान के संयोजक एडवोकेट संदीप त्यागी रसम के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में नगर निगम बोर्ड बैठक में सर्वसम्मति से पारित गाजियाबाद का नाम बदलकर गजप्रस्थ करने के प्रस्ताव पर शीघ्र अमल करने की मांग की गई। इस अवसर पर संदीप त्यागी रसम ने जिलाधिकारी को श्रीमद्भगवद्गीता भेंट की। ज्ञापन के साथ चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के इतिहास विभागाध्यक्ष प्रो. कृष्णकांत शर्मा का पत्र भी संलग्न किया गया, जिसमें महाभारत कालीन साक्ष्यों के आधार पर गाजियाबाद का प्राचीन नाम गजप्रस्थ बताया गया है। एडवोकेट त्यागी ने बताया कि संगठन रचनात्मक सहयोग मंच (रसम) पिछले कई वर्षों से नाम परिवर्तन को लेकर जनजागरण अभियान चला रहा है। इस अभियान के तहत लाखों मिस्ट्रड कॉल, हस्ताक्षर अभियान, हवन श्रृंखला और मानव श्रृंखलाओं के माध्यम से जनता ने समर्थन दिया है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से पंडित अशोक भारतीय, एडवोकेट दीपचंद चावरिया, रवि कटारिया, हरेंद्र सिंह, एडवोकेट विरेंद्र कंडेरे आदि उपस्थित रहे।

